

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पन्तनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

एन.सी.सी. कैडेटों द्वारा किया गया वृक्षारोपण

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर 1 यू.के. एयर स्क्वाड्रन, पन्तनगर के फ्लाइंग कैडेटों द्वारा फसल अनुसंधान केन्द्र, पन्तनगर पर विभिन्न छायादार एवं फलदार पौधा का पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर कैडेटों द्वारा प्रकृति के पर्यावरण को मानव जाति एवं अन्य जीव-जन्तुओं के लिए अनुकूल बनाये रखने के लिये व्याख्यान एवं कविता पाठ किया गया, जिसमें वनों एवं वृक्षों के अंधाधुन कटान के कारण जलवायु पर हो रहे विपरीत प्रभावों पर प्रकाश डाला गया साथ ही वृक्षारोपण के महत्व पर जोर दिया गया। इस अवसर पर विभिन्न संकाय सदस्यों, केन्द्र के संयुक्त निदेशक डा. संजय कुमार वर्मा तथा सह निदेशक एवं विश्वविद्यालय के एन.सी.सी. प्रभारी डा. ए.पी. सिंह द्वारा मानव जीवन में वनों एवं वृक्षों के महत्व पर विशेष जोर देते हुए वृक्षारोपण पर जोर दिया गया। डा. एस.के. वर्मा ने बताया कि देश में लगभग 24 प्रतिशत क्षेत्रफल वन आच्छादित है जबकि मानकों के अनुसार 33 प्रतिशत क्षेत्रफल वन आच्छादित होना चाहिए। उन्होंने बताया कि उत्तराखण्ड राज्य में वन आच्छादित क्षेत्र इस राज्य के कुल क्षेत्रफल का लगभग 32 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में वृक्षारोपण तो किया जाता है लेकिन रख-रखाव के अभाव में अधिकांश पौधे नष्ट हो जाते हैं। अतः आवश्यकता इस बात की है कि हम भले ही एक पौधा ही प्रतिवर्ष लगाये लेकिन उसकी शुरुआती दो-तीन वर्षों तक पर्याप्त देखभाल करते हुए बड़ा करना सुनिश्चित करें। वृक्ष ना केवल भीषण गर्मी में छाया देते हैं बल्कि विभिन्न पशु-पक्षियों को आश्रय देने के साथ-साथ मिट्टी को एक साथ बांधे रहकर भू संरक्षण का कार्य भी करते हैं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए फ्लाइंग ऑफीसर डा. अजीत प्रताप सिंह द्वारा विभिन्न छायादार वृक्षों जैसे पाखड़, पीपल, बरगद, महोगनी इत्यादि के वृक्षारोपण विशेष जोर देने का आग्रह किया गया।



3. वृक्षारोपण करते एन.सी.सी. के कैडेटों।